

स्वर्ग का सिग्नल — लाल या हरा

ट्रैफिक सिग्नल को कोई पसंद नहीं करता। हमे दफ्तर समय पर पहुंचना हो या सवारी को अपनी मंज़िल तक पहुँचाना हो, हम हमेशा यही चाहते हैं की सिग्नल हरा हो। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है की आपको स्वर्ग में जाने के लिए सिग्नल लाल है या हरा?

परमेश्वर कहते हैं की स्वर्ग मेरा सिंहासन है और पृथ्वी मेरे चरणों की चौकी। हम जो अब इस चौकी में हैं, क्या हम उस सिंहासन में प्रवेश करने के लायक हैं? अगर आप परमेश्वर से प्रेम नहीं करते, उनका भय नहीं मानते, उन्हें छोड़ पेड़ या पत्थरों या जानवरों की पूजा करते हैं, उनका नाम व्यर्थ में लेते हैं, अपने माता-पिता का अनादर करते हैं, झगडे-दंगे करते हैं, व्यभिचार करते हैं, औरतों को बुरी नज़र से देखते हैं और उनसे दुर्व्यवहार भी करते हैं, शादी के पहले शारीरिक सम्बन्ध रखते हैं, झूठ बोलते हैं, गालियां देते हैं, चोरी करते हैं, आयकर नहीं भरते, धन से प्रेम करते हैं, रिश्वत देते या लेते हैं, लोगों का छल से फायदा उठाते हैं, किसी और के धन का लालच करते हैं या फिर कानून का उल्लंघन करते हैं, तो क्या उस पराक्रमी, सर्वज्ञानी, सर्वभौमिक परमेश्वर के अतिपवित्र स्थान में प्रवेश करने के लिए सिग्नल लाल होगा या हरा?

परमेश्वर ने कहा है की उन्होंने एक दिन ठहराया है जब वे हमारा न्याय करेंगे। सोचिये तब क्या होगा जब परमेश्वर आपके कार्यों को, आपके द्वारा बोले गए शब्दों को और आपके विचारों को जांचेंगे? तब क्या आप निर्दोष ठहराए जाओगे? एक गीत के बोल कुछ इस प्रकार हैं:

रुक के ज़रा तो सोचो तुम, मरने के बाद होगा क्या
मिली तुम्हे जो ज़िन्दगी, प्रभु को उससे दोगे क्या
ले लो तुम ज़िन्दगी नयी, नकशे कदम भी मोड़ लो
यीशु तुम्हे बुला रहा, एक नज़र तो मोड़ लो

पवित्र वचन कहता है की परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया की उन्होंने अपने एकलौते पुत्र के द्वारा इस लाल सिग्नल को हरा करने का प्रयोजन किया। उनका पुत्र, यीशु मसीह, स्वर्ग के सिंहासन को छोड़ धरती पर आया, एक निष्पापी जीवन जीया, और हमारे पापों के खातिर अपने निर्दोष शरीर और खून का बलिदान दिया। परमेश्वर ने उस बलिदान को स्वीकारते हुए उसे तीसरे दिन मरे हुआँ में से जिलाया और हम सभी दोषियों के लिए सिग्नल को लाल से नारंगी कर दिया। अब ये सिग्नल नारंगी से हरा होता है की नहीं यह आपके विश्वास पर निर्भर है। यदि आप अपने मुह से यह अंगीकार करोगे की केवल यीशु ही आपका प्रभु है और उन्हें अपने हृदय में अपनाकर अपने पाप से मुह मोड़ोगे, तो यह सिग्नल आपके लिए भी हरा हो जाएगा।

इसलिए अब से जब भी आप ट्रैफिक सिग्नल को देखें, तो इस बात पर ज़रूर गौर करें - क्या मेरे स्वर्ग जाने का सिग्नल लाल है या हरा? ट्रैफिक सिग्नल तो तोड़ लगे, पर स्वर्ग का सिग्नल तोडना नामुमकिन है। सिग्नल हरा करने वाला आपको पुकार रहा है। छुकारे की कीमत जो आप कभी नहीं चुका सकते हो, वो उसने चुका दी है। जीवन गाडी बंद होने से पहले मन-फिराव करो। यीशु मसीह तुमको बुला रहा है, एक नज़र तो मोड़ लो।

The Signal to Heaven — Red or Green

No one likes traffic signals. Whether it's the morning rush to reach our offices on time or helping the commuter to reach his/her destination, we always want the traffic signal to be green. But have you ever wondered whether your signal to heaven is red or green?

God says that heaven is His throne and the earth His footstool. Are we, who currently live at His footstool, worthy to enter His throne? If you don't love God, you're not interested in knowing Him or acknowledging Him as your Creator, you do not fear Him for His holiness, you worship stones/animals/trees instead of the true Living God, you take His holy name in vain by swearing, you don't respect your father and mother, you fight and incite others to fight, you are an adulterer, you look at women with lustful eyes and misbehave with them, you're into pornography and pre-marital physical relations, you lie, you curse, you steal, you don't pay your taxes, you're a lover of money, you give or receive bribes, you deceive men in order to gain their wealth, you covet someone else's property, or you break the law of the land, then do you think that your signal to the holiest of holy abode of the Omniscient, Omnipresent and Omnipotent God will be red or green?

God has said that He has fixed a day when He will judge the living and the dead. What will happen to us on that day when all our actions, all our words and all our thoughts will be scrutinized? Will you be declared innocent or guilty? The words of a song go something like this:

Stop and think what'll happen to you after death
What have you given to God while you still have your breath?
He is ready to give you a new life, come and repent from your ways
Jesus is calling you today; would you turn towards Him your gaze?

The Scriptures say that God so loved the world that through His only begotten Son, He has made a provision to turn our signal to heaven, green! His Son, Jesus Christ, left heaven's glory and came down to earth, lived a sinless life, and sacrificed His precious body and blood for the payment of the penalty of our sins. God acknowledged His sacrifice by raising Him from the dead on the third day and turned the signal to heaven for us from red to orange. Now whether this signal turns from orange to green depends on your faith. If you confess with your mouth that Jesus alone is your Lord and receive Him in your heart, thereby turning away from your sinful ways and getting right with God, then your signal to heaven will become green!

So, from now on, whenever you encounter a traffic signal, do think about the condition of your signal to heaven. You may be able to break a traffic signal; you will NEVER be able to break the signal to heaven. The One who can turn the signal to green is calling you. The price for redemption which you could never ever pay has already been paid in full by Him. Change your mind before life's journey ends. Jesus Christ is calling you today, would you turn your attention to Him?